नवभारत
इंदौर, बुधवार ,25 मार्च, 2026

एक नजर में

100 दिवसीय विशेष टीबी मुक्त भारत अभियान का उद्घाटन, ली शपथ

गोगावा, निप्र। विश्व क्षय दिवस के अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र गोगावा में जिला प्रशासन और बीएमओ सर के निर्देशन में 100 दिवसीय विशेष टीबी मुक्त भारत अभियान का शुभारंभ हुआ जिसके अंतर्गत संस्था पर उपस्थित समस्त स्टॉफ एवम् जनमानस को टीबी मुक्त भारत अभियान में सहभागीता के लिए शपथ ली गई साथ ही टीबी की जानकारी साझा की गई। इस अवसर पर मेडिकल ऑफिसर, बीपीएम, बीसीएम, बीईई, एलटी, एसटीएलएस आदि उपस्थित रहे।

कसरावद में 'संकल्प से समाधान' अभियान के तहत खंड स्तरीय कार्यक्रम

कसरावद, निप्र। जनपद पंचायत द्वारा 'संकल्प से समाधान' अभियान के अंतर्गत आयोजित खंड स्तरीय कार्यक्रम मंगलवार को सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। कार्यक्रम का आयोजन मंडी प्रांगण में किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में हितग्राही उपस्थित रहे। कार्यक्रम में कसरावद एसडीएम सत्येंद्र बेरवा, जनपद पंचायत सीईओ रीना किराडे, नगर परिषद सीएमओ कमलेश गोले, पूर्व मंडी अध्यक्ष मांगीलाल गाडगे, पूर्व विधायक आत्माराम पटेल तथा नगर परिषद पार्षद प्रतिनिधि हेमंत सोनी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी मौजूद रहे। इस अवसर पर हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई तथा पात्र हितग्राहियों को लाभ वितरण किया गया। अतिथियों ने शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की और कहा कि 'संकल्प से समाधान' अभियान का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का त्वरित निराकरण करना है। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित जनसमूह ने योजनाओं के प्रति उत्साह दिखाया और प्रशासन के इस प्रयास की सराहना की।

गोगावा में शीतला माता मंदिर महाआरती के लिए प्रशासन मुस्तैद

गोगावा, निप्र। जिला प्रशासन द्वारा कस्बा गोगावां में आगामी 25 मार्च 2026 को आयोजित होने वाली पारंपरिक शीतला माता मंदिर महाआरती के लिए सुरक्षा और जनसुविधाओं के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। अपर जिला दंडाधिकारी द्वारा विभिन्न विभागों को समन्वय के साथ कार्य करने और कानून व्यवस्था सुनिश्चित करने के कड़े निर्देश जारी किए गए हैं।

सुरक्षा के लिए अभेद्य घेराबंदी और बैरिकेडिंग :- आयोजन के दौरान भीड़ नियंत्रण और सुरक्षा की दृष्टि से अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस), भीकनगांव और लोक निर्माण विभाग को विशेष जिम्मेदारी सौंपी गई है। महाआरती स्थल पर मजबूत बैरिकेडिंग, जाली, कनात और ड्रॉप गेट लगाने के निर्देश दिए गए हैं। पुलिस विभाग को निर्देशित किया गया है कि वे कार्यक्रम पूर्व सभी आवश्यक सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन सुनिश्चित करें।

आपातकालीन चिकित्सा और स्वास्थ्य सेवाएं :- श्रद्धालुओं के स्वास्थ्य और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। मंदिर परिसर में 25 मार्च को सुबह 7 बजे से पैरामेडिकल स्टाफ, डॉक्टरों की टीम, एम्बुलेंस और पर्याप्त दवाओं की उपलब्धता अनिवार्य की गई है, ताकि किसी भी अप्रिय स्थिति में तत्काल उपचार मिल सके।

निर्बाध बिजली और प्रकाश व्यवस्था :- विद्युत विभाग को महाआरती स्थल और आसपास के क्षेत्रों में सतत बिजली आपूर्ति बनाए रखने की जिम्मेदारी दी गई है। कार्यक्रम के दौरान लाइटिंग की समुचित व्यवस्था और विद्युत सुरक्षा के मानकों का कड़ाई से पालन करने को कहा गया है, ताकि श्रद्धालुओं को अंधेरे या तकनीकी कारणों से कोई परेशानी न हो।

पेयजल, फायर ब्रिगेड और स्वच्छता के इंतजाम :- मुख्य नगरपालिका अधिकारी को निर्देश दिए गए हैं कि वे मंदिर परिसर में पानी के टैंकरों के माध्यम से स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करें। साथ ही, आगजनी जैसी घटनाओं को रोकने के लिए फायर ब्रिगेड की टीम मय वाहन आयोजन स्थल पर मुस्तैद रहेगी। अपर जिला दंडाधिकारी ने सभी संबंधित अधिकारियों को अपने-अपने स्तर पर त्वरित कार्यवाही कर सूचित करने के आदेश दिए हैं।

कंवरतारा पब्लिक हायर सेकंडरी स्कूल में लगा एचपीवी टीकाकरण शिविर

खरगोन, निप्र। बालिकाओं के स्वास्थ्य संरक्षण एवं सर्वाइकल कैंसर की रोकथाम के उद्देश्य से श्री कँवरतारा पब्लिक हायर सेकेण्डरी स्कूल मण्डलेश्वर में एचपीवी वैक्सीनेशन कैंप का आयोजन किया गया। शिविर में एसडीएम सुश्री पूर्वा मंडलोई की उपस्थिति में मेडिकल टीम द्वारा टीकाकरण किया गया। इस अवसर पर पालकगण, विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी एवं जनशिक्षक भी मौजूद रहे। कैंप के दौरान कुल 17 पात्र छात्राओं को एचपीवी वैक्सीन का टीका लगाया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य श्री जोशी ने एचपीवी वैक्सीनेशन के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे बालिकाओं के उज्ज्वल और स्वस्थ भविष्य के लिए आवश्यक बताया। वहीं एसडीएम सुश्री मंडलोई ने छात्राओं को टीकाकरण के लिए प्रेरित करते हुए जागरूकता का संदेश दिया। कैंप के समापन अवसर पर एसडीएम सुश्री मंडलोई द्वारा टीकाकरण कराने वाली पात्र छात्राओं का पुष्पहार से स्वागत किया गया तथा उन्हें फल वितरण कर प्रोत्साहित किया गया।

टीबी मुक्त भारत के लिए अभियान शुरू

मुख्य उद्देश्य हाई-रिस्क आबादी की सघन स्क्रीनिंग, खांसी-सर्दी पर जांच करवाने की अपील

नवभारत न्यूज

खरगोन, निप्र। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. डीएस चौहान के नेतृत्व में जिले में 100 दिवसीय टीबी मुक्त भारत अभियान का शुभारंभ किया गया। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य हाई-रिस्क आबादी की सघन स्क्रीनिंग करना और संभावित मरीजों की पहचान कर उनका समय पर उपचार शुरू करना है।

बीते वर्षों के उत्साहजनक आंकड़े 88 प्रतिशत से अधिक सक्सेस रेट:- विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, जिले में टीबी उपचार की सफलता दर निरंतर बेहतर बनी हुई है। वर्ष 2022 में यह 88.96 प्रतिशत और वर्ष 2023 में 89.17 प्रतिशत रही। वर्ष 2025 में जिले की लगभग 3.27 लाख हाई-रिस्क जनसंख्या की स्क्रीनिंग की गई, जिनमें से 46 प्रतिशत का एक्सरे किया गया और 1875 नए मरीजों की पहचान कर उनका उपचार शुरू किया गया। वर्ष 2026 में अब तक 681 मरीजों का उपचार प्रारंभ हो चुका है।

जन-भागीदारी और निक्षय मित्र बनने का आह्वान:- अभियान को जन-आंदोलन बनाने के लिए सिविल सर्जन डॉ. राजकुमारी देवड़ा ने स्वयंसेवी संस्थाओं और समाजसेवियों से निक्षय मित्र बनने की अपील की है। उन्होंने कहा कि सक्षम नागरिक स्वेच्छा से टीबी रोगियों को फूड बास्केट वितरित कर उनके पोषण में मदद कर सकते हैं। वहीं, जिला कार्यक्रम समन्वयक श्री विजय ठक्कर ने मरीजों को प्रोटीन युक्त आहार लेने और नियमित दिनचर्या बनाए रखने की सलाह दी है, ताकि वे शीघ्र स्वस्थ हो सकें।

सावधानी ही बचावरू इन लक्षणों को न करें नजर अंदाज:- स्वास्थ्य विभाग ने आमजन से आग्रह किया है कि यदि दो सप्ताह से अधिक खांसी, बलगम में खून आना, सीने में दर्द, शाम के समय बुखार आना या वजन कम होने जैसे लक्षण दिखें, तो तुरंत नजदीकी आयुष्मान आरोग्य केंद्र या स्वास्थ्य केंद्र पर जांच कराए। अधिकारियों ने सलाह दी है कि टीबी का इलाज बीच में कभी न छोड़ें, क्योंकि ऐसा करने से बीमारी ड्रग रेजिस्टेंट हो सकती है, जो अधिक घातक है।

संभावित मरीजों की जानकारी दें

सक्रिय केस खोज के तहत विभाग ने उन समूहों की पहचान की है जहाँ टीबी संक्रमण का खतरा अधिक है। इनमें झुग्गी बस्तियाँ, निर्माण स्थल, जेल, रैन बसेरे, कुपोषित बच्चे, सिलिकोसिस पीड़ित, और मधुमेह या एचआईवी से ग्रसित व्यक्ति शामिल हैं। जिला क्षय अधिकारी डॉ. हर्ष महाजन ने निजी चिकित्सकों और एक्सरे लैब संचालकों से अपील की है कि वे हर संभावित मरीज के पतली स्क्रीनिंग करें और अनिवार्य रूप से उसका नोटिफिकेशन विभाग को भेजें।

भगवान संभवनाथ का मोक्षकल्याणक निर्वाण लाड़ू चढ़ाकर मनाया

सनावद, निप्र। श्री सुपार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मन्दिर में जैन धर्म के तीसरे तीर्थंकर भगवान संभवनाथ स्वामी का मोक्ष कल्याणक मंगलवार को भगवान के जलाभिषेक शांतिधारा, नित्य पूजा तथा भगवान संभननाथ की अष्ट द्रव्यों से पूजन के बाद मोक्ष गमन का प्रतीक निर्वाण लाड़ू चढ़ाकर मनाया गया। पार्श्व ज्योति मंच के अध्यक्ष डॉ. नरेन्द्र जैन भारती ने बताया कि तीर्थंकर भगवान संभवनाथ का जन्म श्रावस्ती नगरी के राजा दृढ़ राज्य तथा मातारानी सुषेणा के राजमहल में हुआ था। मेघों का विभ्रम देखकर आपको वैराग्य उत्पन्न हो गया अत: आप सहेतुक वन में तपस्या करने चले गये। चौदह वर्ष तक आपने मौन रहकर तपस्या की। कार्तिक कृष्ण चतुर्दशी के दिन केवलज्ञान प्राप्त होने पर आपने सम्पूर्ण आर्यखंड में विहार कर लोगों को धर्मोपदेश दिया। पावन सिद्धक्षेत्र सम्मेद शिखर जी से चैत्र शुक्ल छटवी के दिन आपने मोक्ष प्राप्त किया था। इसलिए जैन श्रद्दालु आज के दिन निर्वाण लाडू चढ़ाकर मोक्ष कल्याणक मनाते आ रहे हैं। नरेश पाटनी, कमलेश भूच, डॉ. नरेंद्र जैन, जितेन्द्र जैन, संतोष बाकलीवाल, शुभम जैन, प्रियम जैन मौजूद थे। सनावद के सत्येंद्र जैन, महेंद्र पाटौदी ने श्री पावन सिद्ध क्षेत्र सिद्धवरकूट पहुंच कर मूल नायक भगवान संभवनाथ की पूजा अर्चना पर निर्वाण लाडू चढ़ाया।

धूमधाम से मनाया गणगौर त्योहार

बिस्टान, निप्र। नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में गणगौर पर्व धूमधाम से मनाया जा रहा है। सोमवार, मंगलवार को माता के ज्वारों का विसर्जन हुआ। शनिवार को गणगौर माता के घर आगमन के बाद से श्रद्धालु पूजा में लगे हैं। रविवार को श्रद्धालु रथ बोड़ाकर लाए कई जगह सामूहिक रूप से भी रथ बौड़ाए गए। सोमवार को भी गांव में श्रद्धालु माता को बोड़ाकर कर वापस लाएं।

क्षेत्र में गणगौर पर्व की रौनक रही। गांव से लेकर नगर तक भक्त गणगौर माता की भक्ति में रमे हुए हैं। श्रद्धालुओं ने माता के रथ आकर्षक ढंग से सजाए। कहीं माता के मुखोटे पर चश्मा लगाया, तो कहीं रथ पर रनू बाई व धनियर राजा की जोड़ी सजाई। गणगौर पर्व को लेकर महिलाओं में खासा उत्साह रहा।

घरों में माता के आगमन पर गीत गाए जा रहे हैं। सोमवार को महिलाओं ने पाती खेली व नाच गाकर भक्ति की। रास्ते में श्रदालुओ ने रथों का सुवागत किया। पैर धुलाए व पुष्पवर्षा की मंगलवार शाम को गाते, बजाते, धूमधाम से माता के रथ मुख्यमार्गों से कुंदा नदी तट लेकर गए। पूजन ,आरती के बाद माता रूपी ज्वारों को गले मिल कर नदी में ज्वारों का विसर्जन किया गया। उमरखली मैं ग्राम पंचायत द्वारा मुख्यमार्गो पर लाइटिंग व साफ सफाई की व्यवस्था की गई थी। नगर बिस्टान मैं नगर परिषद द्वारा मुख्यमार्गो पर व गणगौर घाट पर प्रकाश की समुचित व्यवस्था की गई थी।

आंगनवाड़ी में लगी बाल चौपाल

खरगोन, निप्र। महिला एवं बाल विकास विभाग, मध्यप्रदेश तथा रॉकेट लर्निंग संस्था के संयुक्त तत्वावधान में संचालित मिशन नीव के अंतर्गत भीकनगांव परियोजना के सेक्टर अदलपुरा स्थित आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 01 पर विद्यारंभ प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम एवं बाल चौपाल का आयोजन किया गया।

आयुक्त महिला एवं बाल विकास मध्यप्रदेश के निर्देशानुसार जिले के समस्त आंगनवाड़ी केंद्रों पर यह कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य आंगनवाड़ी केंद्रों में पंजीकृत 5 से 6 वर्ष आयु वर्ग के बच्चों को प्राथमिक शाला में सहज एवं सुचारु रूप से स्थानांतरित करना तथा आंगनवाड़ी केंद्रों में दी जा रही प्रारंभिक बाल्यावस्था शिक्षा को और अधिक सुदृढ़ बनाना है। इसके माध्यम से प्रारंभिक शिक्षा की महत्ता को रेखांकित किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा अभिभावकों को पीले चावल देकर आमंत्रण दिया गया। बच्चों एवं उनके माता-पिता का पुष्पों से स्वागत किया गया। बाल चौपाल के दौरान बच्चों एवं कार्यकर्ताओं द्वारा शैक्षणिक गतिविधियाँ कराई गईं तथा बच्चों को विद्यारंभ प्रमाण पत्र वितरित किए गए। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में श्री अशोक बामनिया, श्री कैलाश गंधारे, प्राथमिक शिक्षा मिशन नीव से श्री नरेंद्र प्रजापत उपस्थित रहे। साथ ही आंगनवाड़ी कार्यकर्ता शीतल प्रजापत, कमला दयाल सहित ग्राम के अभिभावक मौजूद रहे।

मल्टी स्कील्ड वर्कर को 5 माह से नहीं मिला वेतन

खरगोन, निप्र। प्रदेश स्तर पर अस्पतालों में साफ-सफाई, डाटा इंट्री, सिक्युरिटी जैसे कार्यो का कांट्रेक्ट लेकर आउटसोर्स से कर्मचारी उपलब्ध कराने वाली कामथेन सिक्यूरिटी सर्विसेस इंदौर के कर्मचारियों ने विरोध के स्वर मुखर किए है।

मंगलवार को 5 माह का वेतन नही मिलने के साथ ही कलेक्टर दर से कम वेतन दिए जाने की शिकायत की है। कलेक्ट्रेट पहुंचे अर्जुन रावत, सुशील रोकड़े, रंजीत पंवार, देवेंद्र, हरिश यादव, पप्पु यादव आदि ने बताया कि वे जिले के स्वास्थ्य विभाग में बतौर आउटसोर्स कर्मचारी है। कामथेन सिक्युरिटी सर्विसेस से कांट्रेक्ट के जरिये मल्टी स्कील्ड वर्कर ग्रुप डी एवं डाटा इंट्री ऑपरेटर का कार्य कर रहे है। एजेंसी की ओर से 12 घंटे दैनिक काम कराया जा रहा है। वेतन बढ़ाने की मांग करने पर उन्हें काम से निकालने की धमकी दी जाती है। दीपावली के समय से वेतन रोका गया है जो अब तक नही मिला। वर्तमान में त्यौहारी समय होने के बावजूद वेतन नही मिला। न्यूनतम वेतन में सेवाएं देने के बाद भी समय पर वेतन नही मिलने के कारण आर्थिक तंगी के दौर से गुजर रहे है। परिवार का पालन-पोषण करना मुश्किल हो गया है। किराणा, दूध, मकान किराये आदि का कर्ज हो गया है। कर्मचारियों का आरोप है कि पड़ोसी जिले में 9 हजार 200 रुपए वेतन दिया जा रहा है, जबकि जिले में 8 हजार रुपए वेतन दे रहे वह भी समय पर नही मिल रहा। लोगों ने नारेबाजी भी की।

हाईवे की जद में जमीन के मुआवजे की मांग, कलेक्टोरेट पहुंचे आदिवासी समाजजन

खरगोन, निप्र। जिले के आदिवासी अंचल सरवर देवला से पाल तक हो रहे नेशनल हाइवे निर्माण की जद में आ रही कृषि भूमि, मकान आदि संरचनाओं के मुआवजे की मांग उठने लगी है। मंगलवार को करीब 20 गांवों के ग्रामीण मुख्यालय पहुंचे।

आदिवासी नेता जिंदर बडोले, मगन जाधव, रवि वास्कले, सचिन रंधावा, कुलदीप सोलंकी, धर्मेंद्र सिसोदिया आदि ने बताया कि नेशनल हाईवे एनएच.347.सी से एमपी/ एमएच बॉर्डर तक प्रस्तावित है। यह सड़क निर्माण वन भूमि, वन अधिकार अधिनियम के तहत पट्टा प्राप्त किसानों की जमीन और अन्य किसानों की कृषि भूमि से होकर किया जा रहा है। कई स्थानों पर मकान और अन्य संरचनाएं भी इसकी जद में आ रही हैं। झगड़ी, मोहनपुरा, मुंडिया, धुपी, झेंडिया चिरिया, दामखेड़ा, नरवर, हेलापडाव, झुमकी आदि ग्रामों के मगन जाधव, दवलसिंह, अमित मोरे, जगन डावर आदि ने बताया कि प्रभावित किसानों को न तो मुआवजे की जानकारी दी गई है। न ही किसी प्रकार का पुनर्वास प्रस्ताव सामने आया है। ग्रामीणों का आरोप है कि अनुसूचित क्षेत्र होने के बावजूद ग्रामसभा की अनिवार्य अनुमति भी नहीं ली गई, जो संविधान की पांचवीं अनुसूची का स्पष्ट उल्लंघन है। ग्रामीणों और किसानों ने इसे अवैधानिक और असंवैधानिक बताते हुए कलेक्टर से मांग की है, कि मामले की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए। जब तक सभी वैधानिक प्रक्रियाएं पूरी नहीं होतीं, तब तक निर्माण कार्य तत्काल रोका जाए।

एक नजर में — विधायक राजकुमार मेव और मंडल अध्यक्ष विक्रम पटेल ने माता गणगौर को ओढ़ाई चुनरी

भावुकता के साथ गणगौर माता और धनियर राजा को किया विदा

नवभारत न्यूज

मंडलेश्वर, निप्र। सोमवार रात को गणगौर माता के श्रद्धालुओं ने पूरी आस्था और भक्ति भाव से पूजा अर्चना करते हुए गणगौर माता और धनियर राजा को उनके लोक विदा किया। इस दौरान महिला श्रद्धालुओं में भावुकता और आंखों में नमी देखी गई।

गणगौर माता की विदाई के दौरान नर्मदा तट के सामने घाट से लेकर एमजी रोड, बाजार चौक ,रणजीत हनुमान चौक, जय स्तंभ चौराहा तथा विभिन्न समाजों की धर्मशालाओं ,मोहल्ले और चौक में महिला श्रद्धालुओं तथा गणगौर माता के रथों की भारी भीड़ देखी गई माता को विदा करने का सिलसिला रात 9:00 बजे से शुरू होकर मंगलवार की सुबह 6:00 बजे तक चलता रहा इस दौरान विधायक राजकुमार मेव तथा भाजपा मंडल अध्यक्ष विक्रम पटेल ने अपना मंच लगाते हुए गणगौर माता को चुनरी तथा धनियर राजा को रुमाल अर्पित करते हुए आशीर्वाद लिया वहीं नगर परिषद अध्यक्ष अलका गजराज यादव ने दूसरे दिन भी नगर की गणगौर माता और धनियर राजाओं के साथ विभिन्न समाजों के बड़वो को पुष्प माला, चुनरी और रुमाल अर्पित करते हुए उनका स्वागत किया गया दोनों दिन के इस गणगौर उत्सव में कांग्रेस पार्टी के नेता व कार्यकर्ता तथा उनके मंच कहीं भी नजर नहीं आये जो की चर्चा का विषय बना हुआ था। श्री रणजीत हनुमान मंदिर सेवा समिति द्वारा श्री रणजीत हनुमान मंदिर के मंगल प्रवेश तथा विशाल भंडारे में सहयोग करने वाले सहयोगियों को स्मृति चिन्ह ,मंदिर का प्रसाद तथा पुष्प माला पहनते हैं वह सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विधायक राजकुमार मेव, नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती अलका गजराज यादव के साथ अन्य कई जनप्रतिनिधी उपस्थित थे जिन्होंने माता काली का आशीर्वाद भी लिया। श्री रणजीत हनुमान मंदिर चौक में गणगौर माता के गीत धमाल मचा रहे थे वही नगर परिषद अध्यक्ष श्रीमती अलका यादव के आग्रह पर एसडीएम पूर्व मंडलोई, एसडीओपी श्वेता शुक्ला के साथ अन्य महिला पार्षद और महिला मंडली माता के लोकगीतों पर स्वयं को ठुमके लगाने से नहीं रोक पाए जब अधिकारी महिलाए माता के गीतों पर नृत्य कर रही थी तब हजारों की संख्या में श्रद्धालु उनके नृत्य देख रहे थे। इस अवसर पर बाजार चौक में हजारों की संख्या में महिला पुरुषों युवाओं और बच्चों की भीड़ जमा थी।